दिनांक–10 फरवरी 2026 **7:20 AM**

पहले मुख्य समाचार।

- विधानमंडल के बजट सत्र के पहले दिन राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने गिनाईं सरकार की उपलब्धियां। कहा–सुशासन और आर्थिक सशक्तिकरण से बदली प्रदेश की छवि।
- विधानसभा में पहली बार पेश किया गया आर्थिक सर्वेक्षण । वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा– सरकार के प्रयासों से आठ वर्षों में दोगुनी हुई प्रति व्यक्ति आय।
- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम के 9वें संस्करण का दूसरा वीडियो हुआ जारी। विद्यार्थियों को जीवन कौशल, खेल, रचनात्मकता और आत्म–विकास पर ध्यान केंद्रित करने के लिए किया प्रेरित।
- मुख्यमंत्री ने ईको टूरिज्म विकास बोर्ड की बैठक की अध्यक्षता की। ईको टूरिज्म को एक सशक्त और टिकाऊ उद्योग के तौर पर विकसित करने पर दिया जोर।

****

उत्तर प्रदेश विधानमंडल बजट सत्र के पहले दिन कल राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने विधानसभा में दोनों सदनों के सदस्यों को सम्बोधित करते हुए सरकार की उपलब्धियां गिनाईं। राज्य सरकार की कानून व्यवस्था का उल्लेख करते हुए राज्यपाल ने कहा कि मार्च, 2017 के बाद से उत्तर प्रदेश ने सुशासन, सुदृढ़ कानून–व्यवस्था, आधारभूत ढांचे के विस्तार, निवेश, रोजगार सृजन और जनकल्याण जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ हासिल की हैं। राज्यपाल ने कहा कि प्रदेश सरकार के प्रयासों से 6 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर उठाया गया। जनधन योजना में प्रदेश देश में प्रथम स्थान पर है।

प्रधानमंत्री जनधन योजना के अंतर्गत प्रदेश में 10 करोड़ 22 लाख खातों के साथ देश में प्रथम स्थान पर है तथा वर्ष 2017 के सापेक्ष में 5 करोड़ 76 लाख खातों की वृद्धि हुई है प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के अंतर्गत 7 करोड़ 94 लाख नामांकन के साथ उत्तर प्रदेश देश में प्रथम स्थान पर है।

प्रदेश सरकार ने कल पहली बार विधानसभा में आर्थिक सर्वेक्षण प्रस्तुत किया। एक रिपोर्ट–

राज्य का राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में योगदान वर्ष 2016–17 में 8.6 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2024–25 में 9.1 प्रतिशत हो गया है। सर्वेक्षण में यह भी कहा गया है कि राज्य की अर्थव्यवस्था का आकार वर्ष 2016–17 में 13.30 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 2024–25 में 30.25 लाख करोड़ रुपये हो गया है, जो दोगुने से भी अधिक है, और 2025–26 में इसके 36 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने की संभावना है। सर्वेक्षण के अनुसार, राज्य सरकार ने ग्रामीण विकास पर खर्च में लगातार वृद्धि की है। 2017–18 में 1,814.34 लाख श्मानव दिवसश की तुलना में, उत्तर प्रदेश ने 2024–25 में 3,363.97 लाख मानव दिवस सृजित किये जो 85.41 प्रतिशत की वृद्धि है, और इस वृद्धि के साथ राज्य देश में पहले स्थान पर पहुंच गया है। सुशील चन्द्र तिवारी आकाशवाणी समाचार लखनऊ।

वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने विधानसभा में बताया कि प्रदेश की प्रति व्यक्ति वार्षिक आय भी आठ वर्षों में दोगुनी हुई है। श्री खन्ना ने कहा कि उत्तर प्रदेश की पारदर्शी नीतियां, समयबद्ध प्रोत्साहन और सेफ्टी, स्टेबिलिटी व स्पीड की गारंटी ने निवेशकों का भरोसा बढ़ाया है।

इससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि विधानमण्डल लोकतंत्र का महत्वपूर्ण आधार स्तम्भ है, जो संवाद से चलता है।

वास्तव में विधान मंडल लोकतंत्र का एक महत्वपूर्ण आधार स्तम्भ है। यह संवाद से चलता है। कार्यवाही को बाधित करके नहीं। हम लोगो ने बार बार कहा है की सरकार संवाद से समस्या का समाधान पर विश्वास करती है।

सदन में राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान सपा सदस्यों ने लगातार नारेबाजी की।

उधर, विधान परिषद में सभापति मानवेंद्र सिंह ने कार्य परामर्शदात्री समिति की संस्तुतियों को सदन के पटल पर रखा। सभापति ने राज्यपाल के अभिभाषण को विधान परिषद के सदन में प्रतिवेदित किया।

****

सर्वोच्च न्यायालय ने कल केंद्र सरकार को रिजर्व बैंक, बैंकों और दूरसंचार विभाग के परामर्श से डिजिटल धोखाधड़ी के मामलों से निपटने के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया–एसओपी तैयार करने का निर्देश दिया। न्यायालय ने डिजिटल धोखाधड़ी के माध्यम से 54 हजार करोड़ रुपये से अधिक की हेराफेरी को डकैती बताया । शीर्ष न्यायालय ने डिजिटल गिरफ्तारी घोटालों के बढ़ते खतरे पर भी चिंता व्यक्त की।

****

केंद्रीय कृषि, किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कल मथुरा में गोवर्धन परिक्रमा की और गोवर्धन गिरिराज जी मंदिर में पूजा अर्चना की। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने भारत अमेरिका व्यापार समझौते के लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार जताया।

प्रधानमंत्री श्रीमान नरेंद्र मोदी जी को हृदय से धन्यवाद देता हूँ। भारत के किसानों के हितों पर उन्होंने आंच नहीं आने दी। ये समझौता राष्ट्र हित में सर्वोत्तम समझौता है। किसानों के हित को सर्वदा सुरक्षित किया गया है। इससे भारत के विकास को नई दिशा और गति मिलेगी।

****

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'परीक्षा पे चर्चा' के 9वें संस्करण में विद्यार्थियों से कल बातचीत की। उन्होंने परीक्षा के दौरान तनाव और चिंता से निपटने के तरीकों पर संवद किया। श्री मोदी ने विद्यार्थियों को परीक्षाओं से परे देखने और जीवन कौशल, खेल, रचनात्मकता तथा आत्म–विकास पर ध्यान केंद्रित करने के लिए भी प्रेरित किया। प्रधानमंत्री ने सफलता प्राप्त करने के लिए अनुशासन की आवश्यकता पर बल दिया।

अगर अनुशासन है ही नहीं, तो कितने ही इन्सप्रेशन होगा, तो वो इन्सप्रेशन का काम काहे का। मान लीजिए एक किसान है, उसको प्रेरणा मिल रही है बगल वाला किसान बहुत फसल कर रहा है। इन्सप्रेशन आगया लेकिन ये जोतेगा नहीं और बारिश आ गई फिर वो कुछ भी करें, उसकी हालत खराब ही रहेगी।

प्रधानमंत्री ने विद्यार्थियों को छोटे स्टार्टअप से अपनी उद्यमशीलता की यात्रा शुरू करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि बड़े विचार अकसर छोटी शुरूआत से ही पनपते है।

किसी को लगता है मैं ड्रोन बनाऊं, किसी को लगता है कि मैं घर में बिजली की व्यवस्था ऐसी खड़ी कर दूं, अपने किसी चार दोस्तों को जानती होगी, जो टेक्नोलॉजी में एक्सपर्ट है, एकाध दोस्त है, जो फाइनेंस में एक्सपर्ट है, चलो अब चार लोगों की टोली बना दे, साइड में अपन स्टार्टअप शुरू करते है। जरूरी नहीं कोई स्टार्टअप के लिए कोई 25 साल की उम्र चाहिए, आप कभी भी शुरू कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि नागरिक द्वारा उठाया गया हर छोटा कदम 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में योगदान देता है। प्रधानमंत्री के परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम का प्रसारण प्रदेश के विभिन्न जिलों के स्कूलों में बच्चों को दिखाया गया। बरेली में 12वीं के छात्र कृपांश शर्मा ने कार्यक्रम को सुनने के बाद कहा कि प्रधानमंत्री का मार्गदर्शन परीक्षा में काफी मददगार है।

****

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कल लोक भवन में आयोजित उत्तर प्रदेश ईको टूरिज्म विकास बोर्ड की बैठक की अध्यक्षता की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने प्रदेश में ईको–टूरिज्म को रोजगार सृजन, पर्यावरण संरक्षण और आर्थिक विकास का प्रमुख आधार बताते हुए इसके लिए एक समग्र एवं समयबद्ध कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। एक रिपोर्ट

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि प्रदेश की समृद्ध जैवविविधता, वन क्षेत्रों और प्राकृतिक विरासत में ईको–टूरिज्म की अपार सम्भावनाएं निहित हैं, जिन्हें योजनाबद्ध ढंग से धरातल पर उतारने की आवश्यकता है। इसके लिए निजी क्षेत्र की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाए, ताकि ईको–टूरिज्म को एक सशक्त और टिकाऊ उद्योग के रूप में विकसित किया जा सके। उन्होंने कहा कि गोरखपुर का कुसम्ही जंगल, अयोध्या का कुमारगंज क्षेत्र, गाजीपुर का कामाख्या वन पार्क तथा लखीमपुर खीरी की महेशपुर रेंज जैसे सम्भावनाशील क्षेत्रों को पी0पी0पी0 मॉडल के माध्यम से विकसित किया जाए और स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित किए जाएं। समाचार कक्ष से विवेक सिंह

लखनऊ में ही आयोजित राज्य वन्यजीव परिषद की एक अन्य बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि वन्यजीव संवेदनशील क्षेत्रों में प्रस्तावित सभी विकास एवं निर्माण कार्य वैज्ञानिक मानकों, न्यूनतम पर्यावरणीय प्रभाव और विधिक प्रक्रियाओं के पूर्ण अनुपालन के साथ ही किए जाएं।

****